मीडिया समन्वय कार्यालय

जामिया समन्वय कार्यालय

प्रेस विज्ञप्ति 15 फरवरी

जेएमआई में अनुसंधान को बढ़ावा देने की बड़ी पहल

जामिया मिल्लिया इस्लामिया : जेएमआई : में कुलपति प्रो तलत अहमद की पहल पर बहु आयामी अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए इन दिनों बड़े पैमाने पर प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए हाल ही में विदेशों में अनुसंधान में लगे प्रतिभाशाली भारतीयों को आकर्षित करने के लिए महत्वाकांक्षी 'बहु आयामी एडवांस अनुसंधान एवं अध्ययन केन्द्र ' : एमसीएआरएस : खोला गया है। साथ ही विश्व भर में अनुसंधान कार्यो में जुटे संस्थानों और इसके लिए उपलब्ध फेलोशिप की जानकारी देने के लिए जेएमआई में आज एक कार्यशाला भी आयोजित की गई।

अमेरिका में भारतीय छात्रों के लिए उपलब्ध छात्रवृत्तियां की जानकारी देने के लिए यूनाइटेड स्टेट्स–इंडिया एज्यूकेशन फाउंडेशन : यूएसआईईएफ : की ओर से जेएमआई में आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन जामिया के कुलपति प्रो तलत अहमद ने किया । इस अवसर पर उन्होंने जानकारी दी कि निकट भविष्य में विदेशों में अनुसंधान कार्यो में लगे बहुत से तेजस्वी युवा भारतीय अनुसंधानकर्ता जेएमआई के एमसीएआरएस से जुड़ने वाले हैं।

उन्होंने कहा कि अच्छी बात यह है कि एमसीएआरएस से जो जुड़ने जा रहे हैं उनका अनुसंधान के क्षेत्र में बड़ा काम है। अमेरिका, ब्रिटेन और सिंगापुर के ऐसे 6 वैज्ञानिक एमसीआरएस से अभी तक जुड़ चुके हैं।

प्रो अहमद ने कहा कि इससे जेएमआई के छात्रों , अध्यापकों और स्वयं जेएमआई का स्तर और बढ़ेगा। और आगे चल कर जेएमआई की रैंकिंग और प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी।

इस अवसर पर यूनाइटेड स्टेट्स–इंडिया एज्यूकेशन फाउंडेशन की प्रोग्राम कोआरडिनेटर प्रतिभा नायर और डिप्टी डायरेक्टर दिया दत्त अपने संस्थान की ओर से दी जाने वाली विभिन्न छात्रवृत्तियों और उन्हें पाने के तरीकों के बारे में विस्तार से बताया।

यूएसआईईएफ के तहत उपलब्ध छात्रवृत्तियों में प्रमुख हैं : '' फुलब्राइट–नेहरू मास्टर्स–फेलोशिप, फुलब्राइट–नेहरू डाक्टरल रिसर्च फेलोशिप, फुलब्राइट–नेहरू पोस्टडाक्टरल रिसर्च फेलोशिप, फुलब्राइट–नेहरू एकेडमिक एंड प्रोफेशनल एक्सेलेंस फेलोशिप, फुलब्राइट–कलाम क्लाईमेट फेलोशिप आदि।

यह आयोजन एमसीएआरएस की ओर से हुआ। इस कार्यशाला में एमसीएआरएस के प्रमुख डा सुशांत घोष, सैद्धांतिक भौतिकशास्त्र विभाग के प्रमुख प्रो समी, अन्य कई विभागों के प्रमुख और अध्यापक तथा बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे।

गौरतलब है कि इस विभाग की ओर से उद्घाटन व्याख्यान पद्म विभूषण से सम्मानित विश्वविख्यात खगोल भौतिकविद प्रो जयंत वी नार्लिकर ने एक दिन पहले देते हुए कहा था कि हमारी पृथ्वी के बाहर किन्हीं नक्षत्रों पर हमसे भी अधिक विकसित सभ्यताएं हो सकती हैं।

प्रो साईमा सईद
डिप्टी मिडिया कोआरडिनेटर
मोबाइल 9891227771